Shunga Dynasty

- The last Sunga king was Devabhuti. He was preceded by Bhagabhadra. / शुंग वंश का अंतिम शासक देवभूति था। उसके पहले भगभद्र शासक था।
- Devabhuti was killed by his own minister, Vasudeva Kanva in around 73 BC. This established the Kanva dynasty at Magadha from 73 to 28 BC. / देवभूति की हत्या लगभग 73 ईसा पूर्व में उसके मंत्री वसुदेव कण्व ने की। इसके साथ ही 73 से 28 ईसा पूर्व तक मगध में कण्व वंश की स्थापना हुई।

- Bronze coin of the Sunga period, A copper coin of 1/4 karshapana of Ujjain in Malwa. / शुंग काल के कांस्य सिक्के, उज्जैन (मालवा) के 1/4 करषापण मूल्य के तांबे के सिक्के प्रसिद्ध हैं।

founder → Vasudev Kanva

Kanvas (73 BC – 28 BC)

- As per the Puranas, there were four kings of the Kanva dynasty namely, Vasudeva, Bhumimitra, Narayana and Susarman. / पुराणों के अनुसार कण्व वंश में चार शासक हुए – वसुदेव, भूमिमित्र, नारायण और सुषर्मण।

- The Kanvas were Brahmins. / कण्व ब्राह्मण थे।

- The Magadha Empire had diminished by this time considerably. / इस समय तक मगध साम्राज्य काफी कमजोर हो चुका था।

Kanvas (73 BC – 28 BC)

- Northwest region was under the Greeks and parts of the Gangetic plains were under different rulers. / उत्तर-पश्चिम क्षेत्र यूनानियों के अधीन था और गंगा के मैदान के कई हिस्सों पर अलग-अलग शासकों का अधिकार था।

- The last Kanva king Susarman was killed by the Satavahana (Andhra) king. / कण्व वंश का अंतिम शासक सुषर्मण सातवाहन (आंध्र) शासक द्वारा मारा गया।

Cheti / Chedi Dynasty

- The Cheti or Chedi dynasty emerged in Kalinga in the 1st century BC. / चेटि या चेदि वंश की उत्पत्ति 1वीं शताब्दी ईसा पूर्व में कलिंग में हुई।
- The Hathigumpha inscription situated near Bhubaneswar gives information about it. / इसके बारे में जानकारी भुवनेश्वर के पास स्थित हाथीगुंफा शिलालेख से मिलती है।
- This inscription was engraved by king Kharavela who was the third Cheti king. / यह शिलालेख तीसरे चेटि शासक खरवेल द्वारा खुदवाया गया था।
- Kharavela was a follower of Jainism. / खरवेल जैन धर्म का अनुयायी था।
- Other names of this dynasty are Cheta or Chetavamsa, and Mahameghavahana. / इस वंश के अन्य नाम चेट, चेटवंश तथा महामेघवाहन हैं।

Ancient Dynasty languages

Magadha → Maurya → Shung → Kanva

Magadha
* Prakrit
* Pali
* Sanskrit
* Bramhi

Maurya
* Prakrit
* Pali

Shung
* Sanskrit

Kanva
* Sanskrit

Chedi
* Pali
* Bramhi
* Prakrit

Satvahan
* Prakrit
* Kannad
* Telugu

Satavahana Dysnasty

founder Simuk

- Simuka founded the dynasty. / इस वंश की स्थापना सिमुक ने की थी।
- The Satavahana rule is believed to have started around the third century BC, in 235 BC and lasted until the second century AD. / सातवाहन शासन की शुरुआत तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व (235 ई.पू.) मानी जाती है, जो दूसरी शताब्दी ईस्वी तक चला।
- Some experts believe their rule started in the first century BC only. / कुछ विद्वानों का मानना है कि उनका शासन पहली शताब्दी ईसा पूर्व से प्रारंभ हुआ।
- The Satavahana kingdom chiefly comprised of modern-day Andhra Pradesh, Telangana and Maharashtra. At times, their rule also included parts of Karnataka, Gujarat and Madhya Pradesh. / सातवाहन साम्राज्य में मुख्यतः आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र शामिल थे। समय-समय पर इसमें कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश के हिस्से भी सम्मिलित थे।

Period: 3rd BCE Century → 3rd AD Century

founder संस्थापक → Simuk / सिमुक

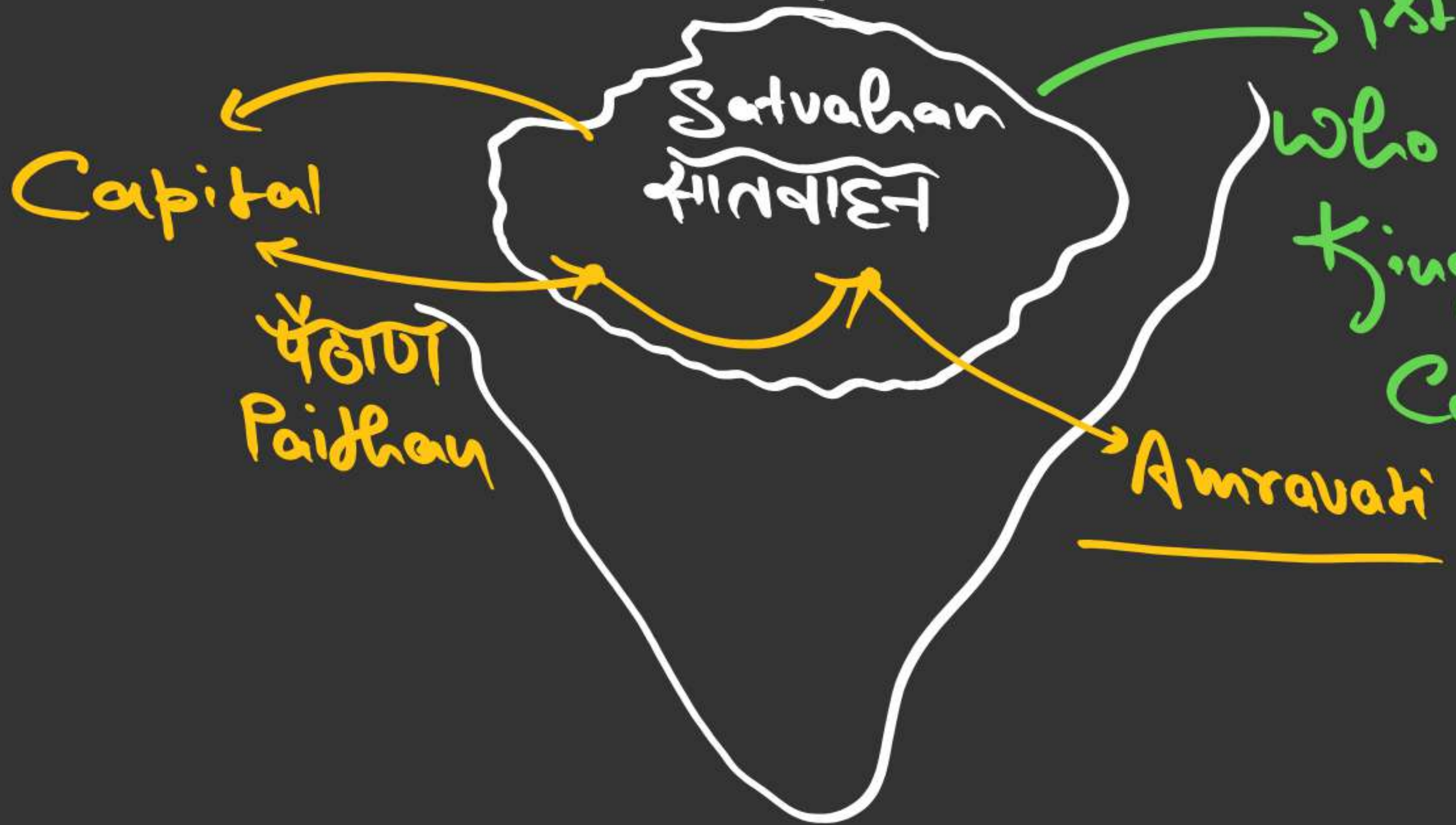

1st Dynasty who printed their King's image on Coin

Satavahana Dynasty

Satavahana Dysnasty

- Their capital cities varied at different times. Pratishthana (Paithan) and Amaravati were its capitals. / उनकी राजधानी समय-समय पर बदलती रही। प्रतिष्ठान (पैठण) और अमरावती इसकी राजधानियाँ थीं।
- They were the first native Indian rulers to issue their own coins with the portraits of the rulers. This practice was started by Gautamiputra Satakarni who derived the practice from the Western Satraps after defeating them. / वे पहले स्वदेशी भारतीय शासक थे जिन्होंने अपने शासकों के चित्रयुक्त सिक्के जारी किए। यह प्रथा गौतमिपुत्र शातकर्णि ने प्रारम्भ की, जिन्होंने पश्चिमी क्षत्रपों को हराने के बाद यह परंपरा अपनाई।
- The coin legends were in Prakrit language. Some reverse coin legends are in Telugu, Tamil and Kannada. / सिक्कों पर अंकित लेख प्राकृत भाषा में थे। कुछ सिक्कों के विपरीत भाग पर तेलुगु, तमिल और कन्नड़ भाषा भी पाई जाती है।

Satavahana Dysnasty

- They patronised Prakrit more than Sanskrit. / उन्होंने संस्कृत की अपेक्षा प्राकृत भाषा को अधिक संरक्षण दिया।
- They supported both Buddhism and Brahminism although they were Hindus and claimed Brahminical status. / यद्यपि वे हिंदू थे और ब्राह्मणिक दर्जा दावा करते थे, फिर भी उन्होंने बौद्ध धर्म और ब्राह्मण धर्म दोनों का समर्थन किया।
- They successfully defended their territories against foreign invaders and had many on-going battles with the Sakas (Western Satraps). / उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों से अपने क्षेत्रों की रक्षा की और शक (पश्चिमी क्षत्रप) से कई युद्ध किए।

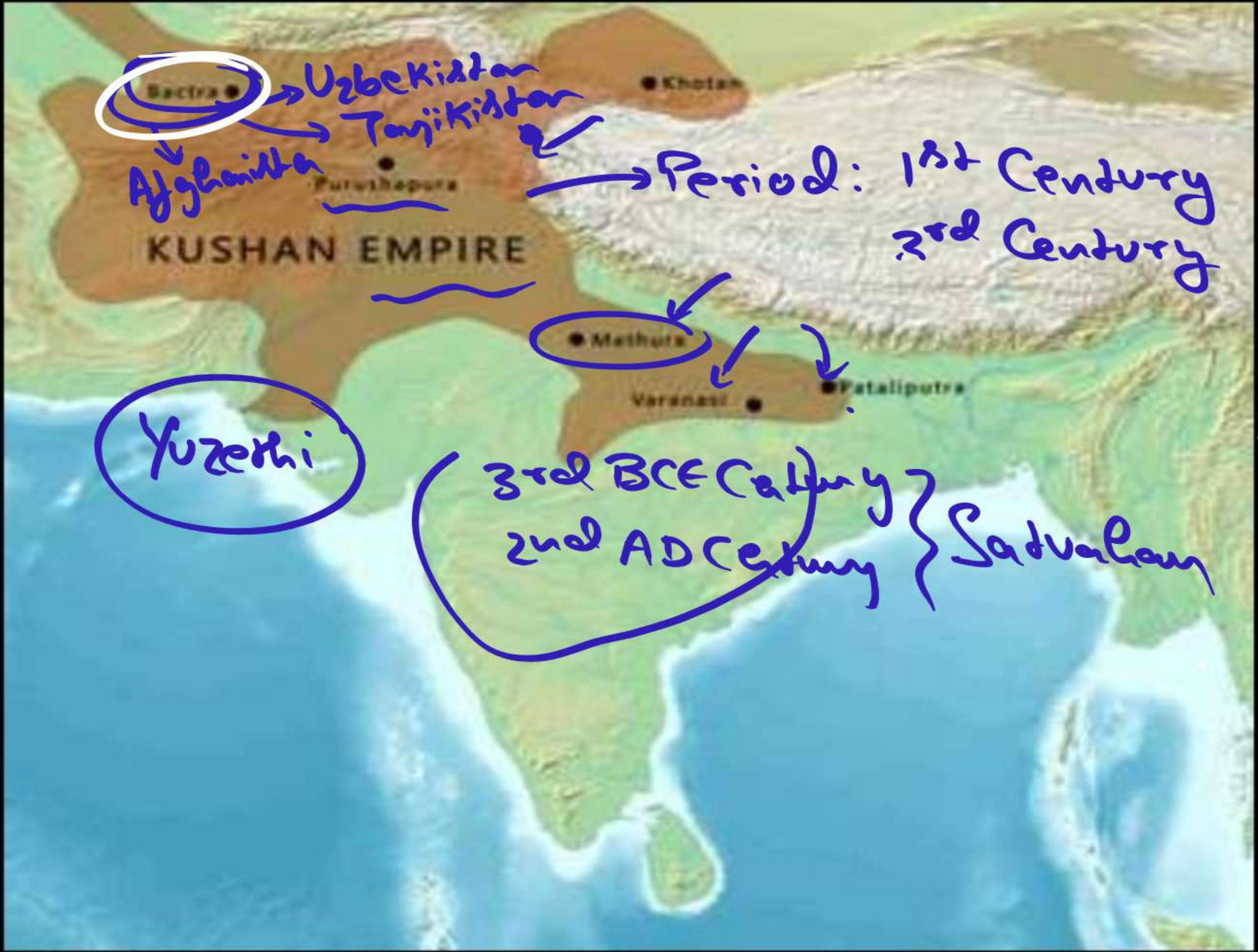

कुषाण वंश
सिक्के

* Sanskrit
* Gold

Influence ⇒
Indian, Roman
Greek

- **Kujula Kadphises (c. 30–80 CE):** The founder of the dynasty who united the Yuezhi tribes and conquered the Kabul Valley.
- **Vima Taktu (c. 80–95 CE)**
- **Vima Kadphises (c. 95–127 CE)**
- **Kanishka I (c. 127–150 CE):** The most powerful Kushan ruler, known for his military conquests, patronage of Mahayana Buddhism, and initiating the Shaka era in 78 CE, which is still used today.
- **Huvishka (c. 150–190 CE):** Succeeded Kanishka and further stabilized the empire, promoting cultural and religious growth, including Buddhism and Zoroastrianism.
- **Vasudeva I (c. 190–230 CE):** Considered the last of the "Great Kushans," his reign coincided with the rise of the Sassanian Empire in the west.

- कुजुल कडफिसेस (लगभग 30–80 ईस्वी): इस राजवंश के संस्थापक, जिन्होंने यूएझी कबीलों को एकजुट किया और काबुल घाटी पर विजय प्राप्त की।
- विम तक्तु (लगभग 80–95 ईस्वी)
- विम कडफिसेस (लगभग 95–127 ईस्वी)

- कनिष्क प्रथम (लगभग 127–150 ईस्वी): कुषाण वंश के सबसे शक्तिशाली शासक, जो अपनी सैन्य विजयों, महायान बौद्ध धर्म के संरक्षण और 78 ईस्वी में 'शक संवत' (Shaka era) की शुरुआत करने के लिए जाने जाते हैं; इस संवत का उपयोग आज भी किया जाता है।

- हुविष्क (लगभग 150–190 ईस्वी): कनिष्क के उत्तराधिकारी, जिन्होंने साम्राज्य को और अधिक सुदृढ़ किया तथा बौद्ध धर्म और पारसी धर्म सहित सांस्कृतिक और धार्मिक विकास को बढ़ावा दिया।

- वासुदेव प्रथम (लगभग 190–230 ईस्वी): इन्हें "महान कुषाणों" में से अंतिम शासक माना जाता है; इनके शासनकाल के दौरान ही पश्चिम में ससानियन साम्राज्य का उदय हुआ।

Monday